

सांसद एमएसएमई कॉन्क्लेव या महज खानापूति ?

सब हैड- कागजी दावों और हकीकत के बीच सिमट कर रह गया कार्यक्रम !

अनुप्रिया त्रिपाठी (लैण्गो)

आगरा। होटल ग्रेड इम्पीरियल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के सपनों को पंख लगाने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को सशक्त करने के बड़े-बड़े दावों के साथ सांसद एमएसएमई कॉन्क्लेव एवं इन्वेस्टर मीट-2026 का आयोजन तो कर दिया गया, लेकिन जमीनी हकीकत इन कागजी दावों से कोसों दूर नजर आई। उद्योग जगत और स्थानीय स्तर पर जिस भव्य आयोजन का दावा किया जा रहा था, वह हकीकत में चंद स्टॉलों और गिने-चुने लोगों की मौजूदगी तक ही सिमट कर रह गया। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं आगरा सांसद प्रो. एस.पी. सिंह बघेल की मौजूदगी के बावजूद कार्यक्रम में वह उत्साह और भीड़ देखने को नहीं मिली, जिसकी ढिंढोरा सरकारी विज्ञापियों में पीटा

- चंद स्टॉल और गिने-चुने लोगों की मौजूदगी ने खोली विभाग की पोल, प्रचार-प्रसार की भारी कमी और लचर तैयारियों पर उठे गंभीर सवाल
- दावों और जमीनी हकीकत में दिखा बड़ा अंतर, होटल ग्रेड इम्पीरियल में 15-20 स्टॉल और सीमित निवेशकों के मोरोसे संपन्न हुई इन्वेस्टर मीट

गया था।

वित्तीय योजनाओं और प्टस्क्र पर हुआ मंथन

कॉन्क्लेव के दौरान मौजूद विभिन्न बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने उद्यमियों के लिए उपलब्ध ऋण योजनाओं और वित्तीय सुविधाओं की जानकारीयां साझा कीं। वहीं केंद्रीय मंत्री ने कॉर्पोरेट सोशल



रिस्पॉन्सिबिलिटी के फंड का इस्तेमाल ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए करने की अपील की। उन्होंने सुझाव दिया कि कंपनियां एस्क्र के तहत गांवों में ई-लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लास स्थापित करें, ताकि ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बड़े शहरों का रुख न करना पड़े।

कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के संजय कुमार सिंह, सिडबी से जय कुमार गुप्ता, अमूल से अच्युत कुमार शर्मा, लघु उद्योग भारती से

मनीष अग्रवाल सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों और बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में सहयोगी प्रतिनिधियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विभाग की लचर कार्यशैली और प्रचार-प्रसार का अकाल

एमएसएमई विभाग और आयोजकों की सुस्ती इस कदर हावी थी कि शहर के तमाम बड़े उद्यमी और व्यापारी इस तथाकथित भव्य

कॉन्क्लेव से अनजान ही बने रहे। आलम यह था कि प्रचार-प्रसार के नाम पर सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई, जिसका नतीजा यह हुआ कि हॉल में जितनी कुर्सियां सजी थीं, उससे कहीं ज्यादा सन्नाटा पसरा हुआ था। गिने-चुने लोगों और कुछेक स्टॉलों के बीच सिमटे इस कार्यक्रम को देखकर हर कोई यही चर्चा करता नजर आया कि क्या ताजनगरी के उद्योगों को रफ्तार देने का जिम्मा संभालने वाला एमएसएमई विभाग सिर्फ कागजों पर

जब परिवारों में पहुंचे चार दोस्तों के शव, मचा कोहराम खाटू श्याम यात्रा से लौट रहे आगरा के चार दोस्तों की दर्दनाक सड़क हादसे में हुई थी मौत

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

खाटू श्याम के दर्शन और भजन-कीर्तन की लाइव कवरेज करने राजस्थान गए आगरा के छह दोस्तों की खुशियों भरी यात्रा एक भीषण सड़क हादसे में गम में बदल गई। दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर रायसर क्षेत्र में अचानक कार का टायर फटने से हुए इस हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि चार दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शुक्रवार देर रात जब चारों के पार्थिव शरीर आगरा पहुंचे, तो घरों में चीख-पुकार मच गई और पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसर गया

इस भीषण सड़क हादसे में

जान गंवाने वाले मुकुल की मां को काफी देर तक बेटे की मौत की भनक नहीं लगने दी गई। वह लगातार बेचैनी से पूछती रही कि उनका बेटा कब लौटेगा, लेकिन शोक में डूबे परिजनों की किसी में भी हिम्मत नहीं हुई कि वे उस मां को यह वज्रपात जैसी खबर सुना सकें।

दो भाइयों में बड़े मुकुल के असमय जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है हादसे में जान गंवाने वाले अतुल वार्ण्य अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। वर्ष 2016 में सिम्मी वार्ण्य से उनका विवाह हुआ था और उनके घर में तीन बेटियां-रुद्रांशी (9), ख्वाति (5) और महज तीन महीने की नन्ही तुषा हैं पिता की इस अचानक हुई मौत से तीनों मासूम बच्चियों के सिर से साया उठ गया है, और पत्नी सिम्मी तथा परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है ।

बोगेनविलिया की खूबसूरती से महक उठा आगरा

हॉर्टिकल्चर क्लब की प्रदर्शनी में सजी 18 से अधिक प्रजातियां, डॉ. बी.के. बैनर्जी और डॉ. सुदीपा घोष लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

हॉर्टिकल्चर क्लब, आगरा के तत्वावधान में वडैंट एक्स के प्रांगण में बोगेनविलिया के फूलों की एक भव्य और विशाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगी और आकर्षक फूलों से सजी इस अनूठी प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रख्यात कृषि विशेषज्ञ डॉ. बी.के. बैनर्जी एवं शिक्षाविद् डॉ. सुदीपा घोष द्वारा किया गया। इस दौरान फीता काटने की रस्म विख्यात पर्यावरणविद् बृज खंडेलवाल और प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री वेद प्रकाश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से पूरी की।

समारोह के दौरान हॉर्टिकल्चर क्लब की ओर से पुष्प कृषि (फ्लोरीकल्चर) के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए डॉ. बी.के. बैनर्जी को तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय सेवाओं के लिए डॉ. सुदीपा घोष को प्रतिष्ठित



लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। क्लब की अध्यक्ष लवली कटुरिया, कोषाध्यक्ष रेनु भगत और सचिव डेजी गुजराल ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रदर्शनी में बोगेनविलिया की लगभग 18 अनूठी प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर उन्हां मौजूद प्रकृति प्रेमियों का उत्साह देखते ही बनता था। डॉ. बी.के. बैनर्जी ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि उत्परिवर्तन प्रजनन (म्यूटेशन ब्रीडिंग) और संकरण तकनीकों के

जरिए इसकी कई नई किस्में विकसित की गई हैं, प्रदर्शनी समन्वयक एवं प्रख्यात प्रकृतिविद् डॉ. मुकुल पांडेय ने बोगेनविलिया के इतिहास और इसके औषधीय व पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह पौधा कम पानी और शुष्क जलवायु में भी आसानी से पनपता है। पर्यावरणविद् बृज खंडेलवाल ने आगरा की गर्म और शुष्क आबोहवा का जिक्र करते हुए कहा कि यह पौधा शहर की वायु गुणवत्ता को सुधारने और प्रदूषण को

नियंत्रित करने में बेहद कारगर साबित हो सकता है। कम देखभाल की जरूरत और अधिक सुंदरता के कारण यह शहरी हरियाली के लिए एक आदर्श विकल्प है।

इस अवसर पर आयोजित वार्षिक बोगेनविलिया प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की गई, जिसमें कंचन आहूजा ने प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं वीना सचदेवा और अनीता गुजराल को संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार तथा राम कुमार अग्रवाल को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया।

ट्रॉली-बाइक चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार चोरी के वाहन बरामद, दोनों आरोपियों को भेजा जेल

- प्रतापपुरा पुलिस के पास चैकिंग में पकड़े गए आरोपी
- चोरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक बरामद
- एक आरोपी पर 10, दूसरे पर दो मुकदमे दर्ज

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

फतेहाबाद पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया गया कब्जे से चोरी की ट्रैक्टर-ट्राली व बाइक बरामद हुई दोनों को जेल भेजा गया।

एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि शुक्रवार को वादी रविंद्र पुत्र तारा सिंह निवासी हींसकी थाना निबोहरा ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 10 अक्टूबर की जराराजपुर के पास बने मकान से रात्रि में ट्रैक्टर की ट्रॉली अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। जिस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। शुक्रवार की रात्रि फतेहाबाद पुलिस

सरकारी प्रेस नोट के गुब्बारे की निकली हवा

जिला सूचना कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस नोट में जहां 150 से अधिक कंपनियों की सहभागिता, 500 से अधिक आगंतुकों और 250 से 300 प्रतिनिधियों के जुटने के बड़े-बड़े दावे किए गए, वहीं कार्यक्रम स्थल की ग्राउंड रियलिटी इससे बिल्कुल उलट रही। पूरे आयोजन के दौरान ग्राउंड पर महज 15 से 20 स्टॉल ही लगाए गए थे और हॉल में लगभग 50 निवेशक व उद्यमी ही मौजूद रहे। बड़े पैमाने पर प्रचारित इस इन्वेस्टर मीट में न तो उम्मीद के मुताबिक भीड़ पहुंची और न ही दिग्गज कंपनियों का कोई बड़ा हुजूम दिखाई दिया। प्रचार-प्रसार की कमी और विभागीय ढिलाई के कारण यह बहुवर्चित आयोजन गिने-चुने लोगों के बीच ही सिमट कर रह गया।

मंच से हुए वादे: रूस्सूव और हड़हक्क पर दिया जोर

आयोजन के इस फीकेपन के बीच मंच से औद्योगिक विकास को लेकर औपचारिक भाषणबाजी का दौर जारी रहा। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि देश की आर्थिक समृद्धि का असली रास्ता एमएसएमई क्षेत्र के विकास से ही निकलता है। उन्होंने कहा कि आगरा सिर्फ ताजमहल और पर्यटन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां जूता उद्योग, गार्मेंट्स, हस्तशिल्प, पेठा/खाद्य प्रसंस्करण और आभूषण निर्माण में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के तहत स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया।

ही योजनाएं चलाना जानता है ? क्या ऐसे तय होगा विकसित भारत का सफर ?

सवाल यह उठता है कि जब सरकार की मंशा छोटे उद्योगों और उद्यमियों को संबल देने की है, तो फिर विभागीय अधिकारियों की सुस्ती और लचर व्यवस्था कार्यक्रमों

को महज एक सरकारी खानापूति क्यों बना देती है ? बिना ठोस प्रचार और बिना जमीनी तैयारियों के इस तरह के आयोजनों से न तो नए निवेश धरातल पर उतर सकते हैं और न ही स्थानीय युवाओं को रोजगार के वास्तविक अवसर मिल सकते हैं। कागजी आंकड़ों और

झूठी वाहवाही से बाहर निकलकर यदि विभाग ने अपनी कार्यशैली नहीं सुधारी, तो ऐसे कॉन्क्लेव सिर्फ नेताओं के भाषण और मोमेंटो बांटने का जरिया बनकर रह जाएंगे, जिससे आगरा के वास्तविक उद्योग जगत का कोई भला होने वाला नहीं है।

ट्रक चालक हत्याकांड में पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश, कई संदिग्ध उठाए डीसीपी पहुंचे पीड़ित परिवार के घर, खुलासे के लिए तीन टीमें गठित

- नागर रोड पर गला काटकर की गई थी मौला की हत्या
- नामजद आरोपी सोनू फरार, तलाश में जुटी पुलिस
- वाटदात में इस्तेमाल बाइक बरामद, लेनदेन सगेत अन्य एहलुओं पर जांच

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

गुरुवार की रात थाना फतेहाबाद के राजापुरा निवासी ट्रक चालक भोला की नागर रोड पर गला काटकर हत्या कर दी गई थी जिसमें जानकारी होने पर डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल सहित फॉरेंसिक विभाग अन्य टीमें मौके पर पहुंची जांच में जुटी पुलिस ने शक के आधार पर कुछ लोगों को उठाया। बता दें कि गुरुवार की बीती रात पैसे के लेनदेन को लेकर भोला पुत्र दीवान सिंह को उसके ही दोस्त सोनू के द्वारा अपनी बाइक पर ले जाकर गला काटकर हत्या कर दी गई थी जिसमें सोनू के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है जिसमें आरोपी सोनू घर छोड़कर फरार हो गया है वहीं पुलिस ने संदेह के



आधार पर दो-तीन लोगों को पछताछ के लिए उठाया है जिसे पुलिस को कुछ अहम सुराग हाथ लगे है।

जहां पुलिस यह पता करने की कोशिश कर रही है कि घटना क्यों की गई पैसे का लेनदेन या और कोई मामला है वहीं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी एक जगह से बरामद हुई है। मृतक के

भाई महेश ने बताया है कि घटना से पूर्व मेरा भाई जिस मोटरसाइकिल से गया था। वह मोटरसाइकिल भी बरामद हो गई है वहीं जानकारी होने पर डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल भी पीड़ित के घर पहुंचे और उन्हें ढांडस बंधाया तथा जल्द ही मामले के खुलासे का आश्वासन दिया।

पक्के पुल के एप्रोच का काम तेज, चंबल घाट जाने वाला रास्ता बंद

पिनाहट। कस्बे के चंबल घाट पर पक्के पुल के एप्रोच मार्ग का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। पुल के स्टोपर से करीब 350 मीटर लंबा एप्रोच मार्ग बनाया जा रहा है। इसकी जद में पिनाहट से चंबल घाट तक जाने वाला पक्का रास्ता भी आ रहा है। शनिवार को एप्रोच की दीवार बनाने के लिए जेसीबी से पक्के रास्ते की खोदाई की गई। इससे चंबल घाट तक जाने वाला मार्ग बंद हो गया है।

रास्ता बंद होने से घाट तक पहुंचने वाले लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है। यह रास्ता नहर की तरह दिखाई दे रहा है। इसी मार्ग से अब लोगों को चंबल घाट तक पहुंचना होगा। पक्के पुल के एप्रोच का निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन की सुविधा बेहतर होने की उम्मीद है।

माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी भर्ती से टीईटी की अनिवार्यता हो समाप्त

आगरा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश कार्यसमिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. देवी सिंह नरवार ने प्रदेश सरकार के समक्ष पुरजोर मांग उठाई है कि माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक वेतनक्रम (टीजीटी) के सहायक अध्यापकों की भर्ती में टीईटी की अनिवार्यता को तुरंत समाप्त किया जाए।

डॉ. नरवार ने स्पष्ट किया कि इंटरमीडिएट एजुकेशन एक्ट-1921 के प्रावधानों के अनुसार, प्रशिक्षित स्नातक वेतनक्रम में सहायक अध्यापक पद के लिए संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री के साथ केवल बीएड प्रशिक्षण ही न्यूनतम अर्हता निर्धारित है। बाद के चरणों में टीईटी की अर्हता को इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल किए जाने से योग्य और बेरोजगार प्रशिक्षित स्नातकों के साथ सरासर अन्याय हो रहा है, जो किसी भी स्थिति में न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व की भर्तियों में इस तरह की कोई अनिवार्यता नहीं थी, लेकिन अब नए नियम बनाकर योग्य अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया से बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है, जिसका महासंघ कड़ा विरोध करता है। अपने इस बयान के माध्यम से डॉ. देवी सिंह नरवार ने प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों से भी अपील की है कि वे इस अव्यवहारिक और नए नियम के खिलाफ आगे आएँ और एकजुट होकर इसका विरोध दर्ज कराएँ।

डीएम ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों के लिए दिए कड़े निर्देश, नियमों के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कन्या भ्रूण हत्या पर प्रभावी रोक लगाने और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से जनपद में पीसीपीएनडीटी एक्ट-1994 के अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में उनके कैप कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक के दौरान अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीन पंजीकरण, नवीनीकरण, स्थान परिवर्तन, चिकित्सकों के नाम जोड़ने-हटाने और मशीनों के सत्यापन से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। पीसीपीएनडीटी अधिनियम का कड़ाई से पालन हो जिलाधिकारी ने जनपद के सभी अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केंद्रों के संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम



का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या रोकना है, और यदि किसी भी केंद्र पर इसके प्रावधानों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी केंद्रों पर नियमों के मुताबिक निर्धारित अभिलेखों का दुरुस्त रखरखाव अनिवार्य रूप से किया जाए। बायोमेट्रिक, सीसीटीवी और

नियमित निरीक्षण के निर्देश बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर बायोमेट्रिक मशीनों और सीसीटीवी कैमरों की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा, केंद्रों के नियमित और आकस्मिक निरीक्षण बढ़ाए जाएं ताकि किसी भी स्तर पर अनियमितता न हो सके। अल्ट्रासाउंड मशीनों के क्रय-विक्रय के मामलों में भौतिक सत्यापन करने, चिकित्सकों के

फेरबदल से पहले निर्धारित नियमों के तहत जांच करने तथा नए पंजीकरण व नवीनीकरण के आवेदनों का पूरी पारदर्शिता से परीक्षण कर नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव सहित जिला सलाहकार समिति के अन्य सम्मानित सदस्यगण उपस्थित रहे। जिला सूचना कार्यालय, आगरा द्वारा प्रसारित।

पीईटी-2026 परीक्षा: 49 केंद्रों पर होगी, हर पाली में 22,776 अभ्यर्थी होंगे शामिल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगामी प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2026 को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण और नकलबिहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परीक्षा के आयोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। तीन दिनों तक दो पालियों में होगी परीक्षा, कुल 1.36 लाख से अधिक पंजीकृत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ के विज्ञापन संख्या-16-परीक्षा/2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाली यह परीक्षा जनपद के 49 परीक्षा केंद्रों पर 25 अक्टूबर, 30 अक्टूबर और 01 नवंबर 2026 को संपन्न होगी। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने दिए सख्त निर्देश-परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलबिहीन संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

आयोजित की जाएगी-प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 03:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक होगी। इस पूरी परीक्षा प्रक्रिया में कुल 1,36,656 पंजीकृत अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे, और प्रत्येक पाली में 22,776 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। व्यवस्थाओं की सुचारु मॉनिटरिंग के लिए 49 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 49 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम और सीसीटीवी से निगरानी जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय और क्रियाशील रहने चाहिए। केंद्र पर प्रवेश से पहले प्रत्येक परीक्षार्थी की सघन तलाशी ली जाएगी। परीक्षा

हॉल के भीतर मोबाइल फोन और अन्य किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। अभ्यर्थियों की सुविधाओं और समन्वय पर जोर प्रशासन ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल, शौचालय और हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आवागमन को सुगम बनाने हेतु परिवहन, यातायात, निर्बाध बिजली आपूर्ति और चिकित्सा/एम्बुलेंस सेवाओं को लेकर पुलिस, स्वास्थ्य और परिवहन विभागों को आपसी समन्वय से काम करने को कहा गया है। गोपनीय परीक्षा सामग्री को कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार के अस्थायी डबल लॉक में सुरक्षित रखवा दिया गया है, जिसे सेक्टर मजिस्ट्रेटों की देखरेख में केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। प्रशासन ने सभी संबंधितों को पूरी सतर्कता बरतने की ताकीद की है।



विशेष पुनरीक्षण अभियान में बूथों का निरीक्षण

फतेहाबाद। शनिवार को उपजिलाधिकारी ने विशेष पुनरीक्षण अभियान में बूथों पर जाकर निरीक्षण किया बीएलओ को निर्देश दिए गए। चुनाव आयोग के द्वारा विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नए मतदाता बनने पर विशेष जोर दिया जा रहा है तथा जिनके नाम डबल हैं या किसी कारण से कट गए हैं उनके लिए यह अभियान विशेष रूप से है जिसको लेकर शनिवार को उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा के द्वारा विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया गया जिसमें बीएलओ को निर्देश दिए गए कि वह अपने रजिस्टर पूरे करें तथा फार्म 6 भरें तथा जिनके नाम डबल हैं उन पर विशेष रूप से फोकस किया जाए।

आगरा में 26 अक्टूबर को हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी महर्षि वाल्मीकि जयंती

आगरा। जनपद में आगामी 26 अक्टूबर 2026 को महर्षि वाल्मीकि जयंती पूरी भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) अमरेंद्र कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में निहित मानव, सामाजिक और राष्ट्रीय मूल्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना तथा आम जनमानस को इनसे जोड़ना है। जयंती के अवसर पर महर्षि वाल्मीकि से जुड़े प्रमुख स्थलों और मंदिरों में दीप प्रज्वलन के साथ-साथ 8, 12 और 24 घंटे तक अनवरत वाल्मीकि रामायण पाठ के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भजन-कीर्तन के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों व विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इन कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण और सफल बनाने के लिए जिला, तहसील एवं विकास खंड स्तर पर विशेष समितियों का गठन किया गया है। प्रशासन द्वारा सभी आयोजन स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा, प्रकाश और ध्वनि व्यवस्था जैसी तमाम आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

1976 बैच के विद्यार्थियों ने आगरा कॉलेज आकर मनाई गोल्डन जुबली

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा कॉलेज रसायन विज्ञान विभाग के 1976 बैच के शोध विद्यार्थी आज अपने पुराने दिन याद करने के लिए आगरा कॉलेज में एकत्रित हुए। उनके शोधकार्य प्रारंभ करने के 50 वर्ष मनाने के लिए ये सभी छात्र छात्रएं पूरे देश भर से अपने पुराने विभाग की यादों को ताजा करने के लिए आगरा कॉलेज में एकत्रित हुए। उक्त जानकारी देते हुए रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अमित अग्रवाल ने बताया कि कॉलेज के इन सभी पुराने छात्रों ने वर्ष 1976 में रिसर्च में प्रारंभ किया, 2026 में इनके 50 वर्ष पूर्ण होने पर इन्होंने अपनी रिसर्च के दौरान मीठी यादों को विभाग में आकर ताजा की। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सीके गौतम एवं डॉ आभा शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की। विभागाध्यक्ष प्रो संचिता सिंह ने सभी पुरा छात्र छात्राओं का विभाग की



ओर से स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए पुरा छात्र प्रो सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि पहले के शिक्षक अभिभावक की तरह विद्यार्थी की चिंता करते थे। डॉ एसपी त्रिपाठी ने अपने जीवन के 50 वर्षों के अनुभव साझा किए। पुराविद्यार्थी अमिताभ जो कि आगरा में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में लंबे समय तक काम किया, उन्होंने विभाग से जुड़े अपने संस्मरण सुनाए

' पूर्व प्राचार्य डॉ एके गुप्ता एवं डॉ सहाय दास ने भी अपने विचार रखे ' अतिथियों का आभार प्रोफे मनोज रावत एवं संचालन प्रोफे अमित अग्रवाल ने किया ' पुरा छात्रों ने विभाग को अपनी ओर से मां सरस्वती की धातु की प्रतिमा भी भेंट की ' इस अवसर पर प्रो बीके चिकारा, प्रो कल्पना चतुर्वेदी, प्रो विनीता गुप्ता, प्रो विनोद कुमार, प्रो आशीष कुमार, प्रो रिमता चतुर्वेदी, प्रो सौवीर सिंह,

प्रो भूपेंद्र सिंह, प्रो अमित चौधरी, प्रो महेन्द्र सिंह, प्रो अवधेश जौहरी, चेतन गौतम, डॉ सपना तोमर, डॉ निधि जौहरी, डॉ खुशबू यादव आदि शिक्षकों ने अतिथियों का माला व पटका पहनाकर स्वागत किया ' पुरा छात्रों में डॉ विनोद सहगल, डॉ एससी गोयल, डॉ प्रमिला शर्मा, डॉ ऋषभ चतुर्वेदी, डॉ अशोक जैन, डॉ विनोद शर्मा, डॉ एमसी शर्मा, डॉ श्री किशन, अनिल श्रीवास्तव आदि ने अपने संस्मरण सुनाए।

18 साल के होते ही बनवा लें वोटर कार्ड, शुरू हुआ विशेष अभियान एसडीएम ने बूथों का किया निरीक्षण, बीएलओ को दिए निर्देश

- 1 जनवरी 2027 तक 18 साल पूरे करने वाले युवा पात्र
- मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए भरे फॉर्म-6
- पहले बुध पर जाकर मतदाता सूची में चेक करें अपना नाम
- पात्र युवा मतदान से न छूटें, प्रशासन ने तेज की कवायद

टीएनएफ टुडे, फत्मादपुर।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, 86-विधानसभा एत्मादपुर में युवा मतदाताओं को निर्वाचक नामावली से जोड़ने के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान का आगाज किया गया है। उपजिलाधिकारी (एसडीएम) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रार अधिकाारी सुमित कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में इस अभियान को गति दी जा रही है, ताकि क्षेत्र का कोई भी पात्र युवा मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।



एसडीएम सुमित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत जिन युवाओं की आयु 01 जनवरी 2027 को या उससे पहले 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे फोटो युक्त मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए पात्र हैं। उन्होंने क्षेत्र के सभी युवाओं से अपील की है कि वे आगे आए और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। प्रशासन द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। 1. सबसे पहले अपने नजदीकी मतदाता केंद्र (बूथ) पर जाकर वर्तमान मतदाता सूची में अपना नाम

अवश्य चेक कर लें। 2. यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो वे तुरंत नया आवेदन (फॉर्म-6) भर सकते हैं। 3. मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर उसे दुरुस्त कराया जा सकता है। एसडीएम सुमित सिंह ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों (इछडर) को मुस्तैदी से कार्य करने और पारदर्शिता बरतने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने रमेशा वोट, मेरा अधिकार और रहर युवा बनेगा मतदाता, तभी मजबूत होगा लोकतंत्र के संकल्प को दोहराते हुए जनता से इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, एक्सपायरी डेट न होने पर 68 हजार का मखाना सीज

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर आम जनता को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार आगरा में सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया। विभाग की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से मिलावटखोरों और लापरवाह कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा टीम ने रिलायंस रिटेल लिमिटेड (मथुरा रोड, रुनकता, आगरा) के प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि वहां रखे मखाना (ब्रांडझर्राई लाइफ) के पैकेटों पर (उपयोग की अंतिम तिथि) अंकित ही नहीं थी। नियमों की इस गंभीर अनदेखी पर कड़ी कार्रवाई करते हुए विभाग ने 273 पैकेट मखाना सीज कर दिए, जिनकी अनुमानित कीमत ₹68,000 है। साथ ही, इसी प्रतिष्ठान से हल्दी और जीरा के नमूने भी जांच के लिए उठाए गए। त्योहारी मांग को देखते हुए ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म और स्थानीय निमाताओं पर भी विशेष नजर रखी गई। ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट



लिमिटेड से केसर पेड़ा (अमूल), कोकोनट घी बर्फी (दादीस), मुनक्का (होल फार्म), घी के दो और सोनपापड़ी का एक नमूना संग्रहित किया गया। इसके अतिरिक्त, स्थानीय निर्माण इकाइयों में पोडिया स्थित जुगल किशोर की पत्तीसा एवं सोनपापड़ी निर्माण इकाई से पत्तीसा व मैदा का नमूना तथा बाह के मानिकपुर स्थित बृजेश्वरी डेयरी से पनीर का नमूना लिया गया। इस प्रकार पूरे अभियान के दौरान खाद्य पदार्थों के कुल 12 नमूने संग्रहित किए गए हैं। सभी संग्रहित नमूनों को नियमानुसार परीक्षण के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत उसके निष्कर्षों के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा अन्य

प्रचलित नियमों के तहत अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जनपद आगरा द्वारा समस्त खाद्य कारोबारियों से अपेक्षा की गई है कि वे खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय में निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों, स्वच्छता तथा पैकेजिंग एवं लेबलिंग संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। खाद्य पैकेटों पर आवश्यक विवरण एवं तिथि संबंधी घोषणाएं नियमानुसार अंकित की जाएं तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जाएं। विभाग द्वारा आम जनमानस के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण, नमूना संग्रहण एवं प्रवर्तन की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजमहल के साये में बह रही यमुना नदी आज भी गंदे नालों, सीवेज और प्रशासनिक उदासीनता का भारी बोझ ढोने को विवश है। नदी को नया जीवन देने के बजाय केवल खोखली घोषणाओं, योजनाओं और बैठकों का सिलसिला चल रहा है। इसी गंभीर मुद्दे को उठाते हुए रिवर कनेक्ट कैपेन ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि यमुना के पुनर्जीवन के लिए साबरमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर एक समग्र, व्यावहारिक और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। कैपेन के संयोजक बृज खंडेलवाल ने स्पष्ट किया है कि केवल घाटों, पार्कों और नदी किनारे की सतही सजावट से यमुना की बदहाली दूर नहीं हो सकती, बल्कि इसके लिए नदी को प्रदूषण मुक्त करने, उसका जलप्रवाह बहाल करने और बाढ़ से सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे कड़े कदम उठाने होंगे।

रिवर कनेक्ट कैपेन द्वारा उठाई गई प्रमुख मांगें

रिवर कनेक्ट कैपेन द्वारा मांग की गई है कि यमुना के दोनों किनारों का



वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर सुरक्षित तटबंध, सुव्यवस्थित घाट, हरित क्षेत्र और पैदल मार्ग विकसित किए जाएं, बशर्ते निर्माण कार्य नदी के प्राकृतिक प्रवाह, पर्यावरण और बाढ़ क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखकर हो। यमुना में जमा गाद, ठोस कचरे और अन्य अवरोधों का वैज्ञानिक आकलन कर उसकी सफाई और

गाद निकासी की जाए, जिससे नदी की जलधारण क्षमता और प्रवाह में सुधार हो सके। यमुना में पानी का स्तर नियंत्रित करने और जल उपलब्धता सुधारने के लिए बैराज की व्यवहार्यता पर वर्षों से चल रही चर्चा को अब ठोस निर्णय तक पहुंचाया जाए तथा इसकी स्पष्ट समयसीमा घोषित की जाए। शहर के नालों, घरेलू सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट को बिना शोधन सीधे यमुना में गिरने से रोकने के लिए पर्याप्त सीवेज शोधन क्षमता और नालों के इंटरसेप्शन की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। यमुना किनारा सड़क तथा आसपास के विकास कार्यों की इस प्रकार समीक्षा हो कि नदी के प्राकृतिक बहाव, जलभराव और पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। प्रदेश सरकार एक उच्चस्तरीय समन्वय

मतपेटी की मर्यादा, सत्ता और विपक्ष के दावों का कड़वा सच तथा बौद्धिक जनादेश पर तीखा कटाक्ष

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक और खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की ग्यारह सीटों पर २३ अक्टूबर को संपन्न हुआ मतदान केवल विधान परिषद के कुछ सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया मात्र नहीं है। यह चुनाव राज्य की राजनीति का वह हाई-वोल्टेज सेमीकाइनल है जहाँ समाज के सबसे पढ़े-लिखे बौद्धिक और शिक्षक मतदाता ने अपना गुप्त जनादेश मतपेटी में कैद कर दिया है। मतदान के दौरान विभिन्न केंद्रों पर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई तीखी तकरार, हंगामे और बदहाली ने इस प्रबुद्ध चुनाव के स्तर पर भी बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी द्वारा लगाए गए बुध केच्वरिंग और प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग के गंभीर आरोपों को यदि निष्पक्षता की कसौटी पर तौला जाए तो लोकतंत्र में पारदर्शी प्रक्रिया का होना ही सर्वोपरि है। तथापि समाजवादी पार्टी को भी यह बात बहुत अच्छी तरह समझनी चाहिए कि हर हार या चुनावी असहजता का ठीकरा केवल सरकारी मशीनरी पर फोड़कर अपनी संगठनात्मक कमजोरियों से मुंह मोड़ लेना कोई परिपक्व राजनीति नहीं है। दूसरी ओर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को भी इस कड़वी सच्चाई से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए कि सत्ता के अहंकार में निष्पक्षता के सभी सिद्धांतों को ताक पर नष्ट देना लोकतंत्र की आत्मा पर आघात करने जैसा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस शिक्षक और स्नातक वर्ग से राष्ट्र निर्माण और वैचारिक परिवर्तता की उम्मीद की जाती है, उनके चुनाव में भी वही दिशुम-दिशुम और दांव-पेच देखने को मिले जो किसी सामान्य निकाय चुनाव में दिखते हैं। प्रशासनिक अमले को भी किसी भी दल की कठपुतली बनने के बजाय केवल संविधान और चुनाव आयोग की नियमावली के प्रति पूरी तरह निष्ठावान रहना चाहिए था ताकि कोई दल उमंगली न उठा सके। सपा को चुनावी वैधानिकता का रौना रोने के बजाय मतदाताओं के बीच अपनी ठोस नीतियों को लेकर जाने का अभ्यास करना होगा तभी प्रबुद्ध वर्ग का वास्तविक भरोसा जीता जा सकता है। वहीं भाजपा को अपनी कथित अजेयता के दावों के बीच यह याद रखना चाहिए कि शिक्षित और शिक्षक मतदाता की चुप्पी कभी भी सत्ता के विरुद्ध बड़ा बवंडर बनकर उभर सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि परिणाम चाहे जो भी आए किंतु दोनों प्रमुख राजनीतिक दल अपनी मर्यादाओं को समझें और प्रबुद्ध वर्ग के इस जनादेश की पूरी विनम्रता एवं आत्ममंथन के साथ स्वीकार करने का साहस दिखाएं।

भारतीय राजनीति में युवाओं की भूमिका: परिवारवाद और जातिवाद के खिलाफ एक नई क्रांति

टीएनएफ टुडे

राष्ट्र निर्माण की रीढ़ और समाज के परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम देश की युवा शक्ति है। एक जागरूक और जिम्मेदार युवा निश्चित रूप से राष्ट्र को प्रगति, स्वाभिमान और एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाने की क्षमता रखता है। वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है, जहाँ 15 से 30 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की जनसंख्या लगभग 28 प्रतिशत है। देश की आर्थिक उन्नति में भी इस युवा वर्ग की भूमिका अभूतपूर्व है—भारत को कुल सकल राष्ट्रीय आय (जीएआई) में लगभग 34 प्रतिशत योगदान इसी युवा शक्त का है। लेकिन जब हम देश की नीति-निर्धारण और राजनीति की बात करते हैं, तो स्थिति चिंताजनक नजर आती है। देश की आबादी का लगभग एक-तिहाई हिस्सा होने के बावजूद भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी मात्र 5 प्रतिशत के आसपास है। जो युवा देश की अर्थव्यवस्था, तकनीक और विकास की दिशा तय कर रहे हैं, वे देश की राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया से दूर हैं। यह हम सभी के लिए एक गंभीर चिंतन का विषय है। भारत के लोकतंत्र को सबसे अधिक नुकसान दो बुराइयों ने पहुँचाया है—परिवारवाद और जातिवाद। इन दोनों कुरीतियों ने योग्य, सक्षम और राष्ट्रभक्त युवाओं के लिए राजनीति के दरवाजे बंद कर दिए थे। इस दिशा में एक ऐतिहासिक संदेश 15 अगस्त 2024 को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदर्शपूर्ण श्री नरेंद्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से दिया। उन्होंने देश की राजनीति को परिवारवाद के शिकंजे से मुक्त कराने के लिए एक क्रांतिकारी आह्वान किया। प्रधानमंत्री जी ने स्पष्ट कहा कि भारतीय राजनीति में ऐसे एक लाख युवाओं (फ्रेश ब्लड) को आगे लाने की आवश्यकता है,



जिनका कोई राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि न हो। चाहे वे ग्राम पंचायत में आएँ, नगरपालिका में आएँ, जिला परिषद में आएँ, विधानसभाओं में आएँ या संसद में—ऐसे युवाओं का राजनीति में आना लोकतंत्र को नया जीवन देगा।

प्रधानमंत्री जी का यह विचार केवल एक भाषण नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की शुद्धि का एक महायज्ञ है। जब तक बिना किसी राजनीतिक गॉडफादर वाले साधारण परिवारों के प्रतिभावान युवा राजनीति के केंद्र में नहीं आयेगे, तब तक राजनीति से जातिगत समीकरण और वंशवाद समाप्त नहीं हो सकता।

आज समय की माँग है कि देश का शिक्षित और राष्ट्रवादी युवा केवल मताधिकार तक सीमित न रहे, बल्कि राजनीति में सीधे तौर पर सक्रिय भूमिका निभाएँ। हमें राजनीति को 'गंदगी' मानकर दूर भागने के बजाय, इसमें प्रवेश करके इसे स्वच्छ और राष्ट्र-उन्मुख बनाना होगा। यदि भारत को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाना है, तो राजनीति में भी 'युवा शक्ति' के इस नए रक्त का संचार करना ही होगा।

बलदेव चौधरी 'सीटू'
पूर्व प्रदेश मंत्री, **ABVP** (ब्रज प्रांत)

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!



शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल
आज मेष वृष मिथुन कर्क तुला और मकर राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का वास्तविक अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवाधिदेव महादेव भगवान शिव शंकर और चंद्र देव की उपासना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिवलिंग पर दूध और जल अर्पित करने तथा ऋ नमः शिवाय मंत्र का जाप करने से जीवन के सभी भय दूर होते हैं और मानसिक शांति तथा सुख समृद्धि में अप्रत्याशित वृद्धि होती है।

मेघ

आज कार्यक्षेत्र में आपके साहस और निर्णय लेने की क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। शिवलिंग पर बेतपत्र अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और पुराने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। किसी जरूरतमंद को सफेद मिष्ठान दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतिযোগिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। पंचाक्षरी मंत्र का जाप करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

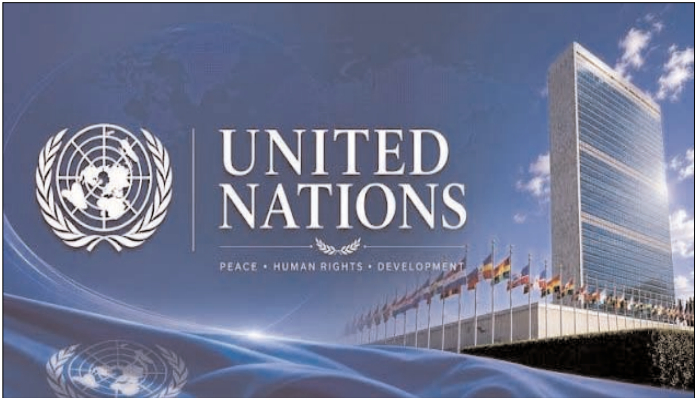
संयुक्त राष्ट्र: जंग रोकने के लिए बना, जंग देखता रहा

बृज खंडेलवाल

जब भी संयुक्त राष्ट्र संघ (वठड) की नाकामियों पर सवाल उठते हैं, उसके पैरोकार यूनेस्को और दूसरी एजेंसियों की उपलब्धियाँ गिाने लगते हैं। लेकिन सवाल उन एजेंसियों का नहीं, इसके बुनियादी मकसद का है। वठड बना था दुनिया को जंग से बचाने के लिए, या जंग के बाद राहत बाँटने, प्रस्ताव पारित करने और मातम मनाने के लिए?

1945 में दूसरे विश्व युद्ध की तबाही के बाद इसकी स्थापना आने वाली नस्लों को जंग की विभीषिका से बचाने के वादे के साथ हुई थी। आज 81 साल बाद भी बंदूकें खामोश नहीं हुईं, सरहदों पर तनाव कम नहीं हुआ और ताकतवर मुल्कों की मनमानी पर लगाम नहीं लगी। सवाल उठता है कि आखिर इस वैश्विक संस्था की उपयोगिता क्या है, अगर यह दुनिया को सबसे बड़े खतरों से बचा ही नहीं सकती?

रवांडा इसका सबसे शर्मनाक उदाहरण है। 1994 में महज सौ दिनों के भीतर करीब आठ लाख तुत्सी और दूसरे लोग मार डाले गए। संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों को नरसंहार की आशंका के संकेत मिल चुके थे। इसके बावजूद सुरक्षा परिषद ने



फौज बढ़ाने के बजाय उसकी तादाद घटा दी। दुनिया देखती रही और इंसानियत का कल्ल होता रहा।

स्त्रेबेनित्सा में कहानी और कड़वी थी। वठड ने खुद इस इलाके को सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया था। फिर भी 1995 में करीब आठ हजार बोस्नियाई मुस्लिम पुरुषों और लड़कों की हत्या कर दी गई। जब संयुक्त राष्ट्र का घोषित सुरक्षित क्षेत्र ही कब्रगाह बन जाए, तो उसके वादों की कीमत क्या रह जाती है? कांगज पर सुरक्षा और जमीन पर कल्लेआम, यही इस संस्था की सबसे बड़ी त्रासदी रही है।

सूडान और कांगों में हिंसा और

शरद पूर्णिमा महारास— मन के चंद्रमा पर इंद्रियों का नृत्य, ब्रज से हमारे भीतर तक

डॉ. दीपक गोस्वामी

शरद पूर्णिमा की रात कोई साधारण रात नहीं, मित्र। भारतीय संस्कृति में यह निर्मल चंद्रप्रकाश, शीतलता, भक्ति और प्रेम का अनुपम पर्व है। वर्षा के बाद स्वच्छ आकाश, चंद्रमा की उज्ज्वल आभा और ब्रज की भक्ति-परंपरा इस रात को विशेष बना देते हैं। इसी पावन अवसर पर श्रीकृष्ण के महारास का स्मरण होता है—एक ऐसी लीला, जिसे केवल नृत्य की घटना मानकर नहीं, बल्कि प्रेम, समर्पण और अहंकार के विसर्जन के आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में भी समझा जाता है। शरद का संबंध ऋतु से है और पूर्णिमा चंद्रमा के पूर्ण दिखाई देने की तिथि है। इसे अनेक क्षेत्रों में कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। ‘को जागर्ति’ अर्थात् ‘कौन जाग रहा है?’—इस लोकमान्यता के साथ देवी लक्ष्मी की आराधना और रात्रि-जागरण की परंपरा जुड़ी हुई है। चंद्रमा से अमृत बरसने तथा चंद्रप्रकाश में रखी खीर के विशेष गुणों की मान्यता भी लेकरपरंपराओं में प्रचलित है। किंतु इन मान्यताओं को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित अधीय नहीं समझना चाहिए। इस पर्व का एक गहरा आध्यात्मिक संकेत यह भी है कि जैसे निर्मल आकाश में चंद्रमा की आभा स्पष्ट दिखाई देती है, वैसे ही विकारों और अहंकार से मुक्त मन में विवेक, प्रेम और आत्मचेतना का प्रकाश अधिक स्पष्ट हो सकता है।

महारास: कामना नहीं, प्रेम और समर्पण की लीला

श्रीमद्भगवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित रासप्रसंगाध्यायी श्रीकृष्ण की रासलीला का महत्त्वपूर्ण आधार है। शरद की चंद्रज्योत्स्ना, यमुना का तट, वृंदावन का वन और कृष्ण की वंशी—ये सभी प्रसंग भक्ति-साहित्य में प्रेम तथा ईश्वर के प्रति आत्मसमर्पण की अनुपम अभिव्यक्ति बन गए हैं।

कृष्ण की वंशी की ध्वनि गोपियों को अपनी ओर आकर्षित करती है। इस प्रसंग का आध्यात्मिक अर्थ यह लिया जा सकता है कि जब मनुष्य के भीतर सत्य, प्रेम और परमात्मा के प्रति अनुराग जागता है, तब उसकी प्राथमिकताएँ बदलने लगती हैं। संसार के आकर्षणों के बीच भी उसका मन किसी उच्चतर उद्देश्य की ओर खिंचने लगता है।

गोपियों को केवल इंद्रियों का प्रतीक मान लेना भागवत की कथा का एक संभावित आध्यात्मिक रूपक है, संपूर्ण कथा का शाब्दिक अर्थ नहीं। गोपियाँ भागवत की कथा में श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम रखने वाली भक्त हैं। उनकी भक्ति को सांसारिक स्वार्थ, अधिकार—बोध और अहंकार से ऊपर उठे समर्पण के रूप में समझा जा सकता है। महारास को साधारण लौकिक प्रेम या शारीरिक आकर्षण तक सीमित करना उसकी धार्मिक और साहित्यिक गहराई को छेढ़ा कर देना होगा। वैष्णव भक्ति-परंपरा में यह ईश्वर और भक्त के प्रेम का विशिष्ट उत्सव है, जिसका अर्थ समझने के लिए उसके आध्यात्मिक संदर्भ को ध्यान में रखना आवश्यक है।

मन, बुद्धि और इंद्रियाँ: भीतर का वास्तविक संघर्ष

हमारे जीवन का एक बड़ा संघर्ष मन और इंद्रियों के बीच दिखाई देता है। आँखें आकर्षक वस्तु की ओर दौड़ती हैं, कान प्रशंसा सुनना चाहते हैं, जीभ स्वाद के पीछे भागती है और मन इन सबके प्रभाव में कभी प्रसन्न, कभी अशांत होता रहता है।

भगवद्गीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है— इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परं मनः। मनसस्तु परा बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः॥ इसका आशय है कि इंद्रियों से श्रेष्ठ मन, मन से श्रेष्ठ बुद्धि और बुद्धि से भी परे आत्मतत्त्व है। यह शिक्षा मनुष्य को अपनी इच्छाओं का गुलाम बनने के बजाय विवेकपूर्वक जीवन जीने की प्रेरणा देती है। जब इंद्रियाँ बिना विचार किए मनुष्य को संचालित करती हैं, तब अवेग, असंयम और पछलावे की स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसके विपरीत, जब मन विवेक के मार्गदर्शन में रहता है, तब व्यक्ति अपने व्यवहार और निर्णयों पर बेहतर नियंत्रण रख सकता है।

इसी दृष्टि से महारास का एक सुंदर आंतरिक रूपक के रूप में देखा जा सकता है—मन, बुद्धि और इंद्रियाँ जब सत्य, प्रेम तथा सदाचार के अनुरूप चलने लगे, तब जीवन में समन्वय उत्पन्न होता है। हालाँकि, इंद्रियों का दमन ही साधना नहीं है। आँखों से सुंदरता देखना, कानों से संगीत सुनना, जीभ से भोजन का स्वाद लेना और त्वचा से प्रकृति का स्पर्श अनुभव करना जीवन के स्वाभाविक पक्ष हैं। आवश्यकता इन अनुभवों को विवेक, मर्यादा और उत्तरदायित्व के साथ जीने की है।

कृष्ण का अनेक रूपों में प्रकट होना: प्रेम की व्यापकता

रासलीला में श्रीकृष्ण का प्रत्येक गोपी के साथ उपस्थित होना भक्तिपरंपरा का अत्यंत अर्थपूर्ण प्रसंग है। इसमें भक्त अपने आराध्य के साथ निकटतम आत्मीय संबंध का अनुभव करता है। ईश्वर किसी एक भक्त के प्रेम तक सीमित नहीं, प्रत्येक भक्त के लिए सुलभ हैं—यह भाव इस लीला की आध्यात्मिक व्याख्या में प्रमुख है।

इसका सामाजिक संदेश भी सुंदर है। सच्चा प्रेम किसी व्यक्ति को अपने अधिकार में बाँधने का नाम नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को स्वीकार करने का नाम है। जिस प्रेम में ईर्ष्या, स्वामित्व और दूसरों को छेढ़ा समझने का भाव बढ़ता है, वह मन को बाँधता है। इसके विपरीत, जिस प्रेम में करुणा, सम्मान और उदारता होती है, वह मनुष्य को व्यापक बनाता है। महारास की आध्यात्मिकता का एक पक्ष यह भी है कि ईश्वर के साथ संबंध को केवल बाहरी प्रदर्शन से नहीं मापा जा सकता। भक्ति का वास्तविक मूल्य साधक के आचरण, विनम्रता और संवेदनशीलता में दिखाई देना चाहिए।

स्थायी सदस्य है और उसके हाथ में वोटो की ताकत है। यानी चौकीदार की सीटी तो बजती है, लेकिन उसे रोकने का अधिकार भी उसी के पास है, जिसे पकड़ना था। ऐसी व्यवस्था में निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद आखिर कैसे की जाए?

डोनाल्ड ट्रंप की बेरुखी और संयुक्त राष्ट्र के प्रति उनका सार्वजनिक तिरस्कार इस संस्था की साख पर नए सवाल खड़े करते हैं। जब दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बहुपक्षीय संस्थाओं को नजरअंदाज करके राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि बताती है, तो वठड की सीमाएँ खुलकर सामने आती हैं। अमेरिका की प्राथमिकताएँ बदलती हैं, तो वैश्विक सहयोग की पूरी इमारत हिलने लगती है।

लेकिन सारा ठीकरा ट्रंप पर फोड़ना आसान रास्ता है। रवांडा, इराक और सीरिया के संकट उनकी राजनीति से पैदा नहीं हुए। असली बीमारी व्यवस्था में है। अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस वोटो के जरिए अपने हितों की हिफाजत करते हैं। जब उनकी सियासत इंसाफ पर परिषद की कार्रवाई रोक दी। प्रस्तावों का दरि बढ़ता गया, लेकिन शांति दूर ही रही। यूक्रेन में यह विडंबना सबसे साफ दिखाई देती है। जिस रूस ने पड़ोसी देश पर हमला किया, वह खुद सुरक्षा परिषद का

ब्रज और वृंदावन: भृगोल से आगे, संस्कृति और चेतना तक

ब्रज केवल एक आध्यात्मिक कल्पना नहीं, भारत की वास्तविक सांस्कृतिक और धार्मिक भूमि है। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और नंदगाँव जैसी स्थलীয় परंपराएँ श्रीकृष्ण की कथाओं, लोकगीतों, उत्सवों और भक्तिधारा से गहराई से जुड़ी हैं। इसी के साथ ब्रज को हृदय की अवस्था के रूप में देखना भी एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टि है। जहाँ प्रेम हो, करुणा हो, सेवा हो और दूसरे के सुख में अपना सुख अनुभव करने की क्षमता हो, वहाँ ब्रज की चेतना का अनुभव किया जा सकता है। यमुना केवल मन की नदी नहीं, ब्रज की जीवनरेखा और सांस्कृतिक पहचान भी हैं। उनकी आध्यात्मिक महत्ता के साथ उनकी वास्तविक स्वच्छता, जल की गुणवत्ता और पारिस्थितिकी की रक्षा करना भी हमारा दायित्व है। यमुना के प्रति श्रद्धा तभी पूर्ण होगी, जब हम उन्हें प्रदूषण से बचाने के लिए अपने व्यवहार में भी परिवर्तन लायेंगे। इसी प्रकार वृंदावन की भक्ति केवल मंदिर-दर्शन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। वहाँ के पर्वान्वरण, पशु-पक्षियों, स्थानीय निवासियों और तीर्थयात्रियों के प्रति संवेदनशीलता भी हमारी धार्मिक चेतना का हिस्सा होनी चाहिए।

अहंकार का अंत: रास का सबसे गहरा संदेश

रासलीला में गोपियों के मन में अपने विशेष स्थान का भाव उत्पन्न होने और श्रीकृष्ण के अंतर्धान होने का प्रसंग आता है। इसके बाद गोपियाँ व्याकुल होकर उन्हें खोजती हैं। यह प्रसंग भक्तिसाहित्य में विरह, उत्कंठा और प्रेम की तीव्रता का मार्मिक चित्रण है। इसका एक आध्यात्मिक संदेश अहंकार के त्याग में देखा जा सकता है। जब साधक यह मानने लगता है कि उसने अपनी साधना से ईश्वर को प्राप्त कर लिया है अथवा वह दूसरों से अधिक श्रेष्ठ भक्त है, तब उसकी साधना में विनम्रता का स्थान कम होने लगता है। भक्ति कोई पदक नहीं, जिसे पहनकर दूसरों से श्रेष्ठ होने का दावा किया जाए। वह तो अपने भीतर के अहंकार को पहचानने, अपनी सीमाओं को स्वीकार करने और प्रेमपूर्वक जीवन जीने की सतत प्रक्रिया है। सच्ची साधना का प्रमाण केवल जप की संख्या, पूजा की अधिथ या धार्मिक आयोजनों की भव्यता नहीं है। उसका प्रमाण यह है कि व्यक्ति का क्रोध कितना घटा, व्यवहार कितना मधुर हुआ, दूसरों के दुख के प्रति संवेदना कितनी बढ़ी और सत्य के प्रति उसकी निष्ठा कितनी मजबूत हुई।

शरद पूर्णिमा की खीर: परंपरा का स्वाद, विवेक का साथ

शरद पूर्णिमा पर दूध, चावल और चीनी से खीर बनाकर चंद्रप्रकाश में रखने की परंपरा अनेक परिवारों में प्रचलित

दिखाई देता है। अब क्या हो? संयुक्त राष्ट्र को अप्रासंगिक होने से बचाना है, तो खोखले भाषणों से आगे बढ़ना होगा। सबसे पहले सुरक्षा परिषद का विस्तार जरूरी है, ताकि आज की दुनिया की वास्तविकता उसमें दिखाई दे। वोटो की ताकत पर भी लगाम लगनी चाहिए, खासकर नरसंहार और बड़े मानवीय संकटों के मामलों में। शांति सैनिकों को स्पष्ट अधिकार, पर्याप्त संसाधन और समय पर सहायता मिलनी चाहिए। गंभीर अपराधों के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय कानून ताकतवरों पर भी उतना ही लागू होना चाहिए, जितना कमजोर मुल्कों पर। संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं को केवल बयान जारी करने के बजाय समयबद्ध कार्रवाई और उसके परिणामों का हिसाब भी देना चाहिए। दुनिया को भाषणों, प्रस्तावों और सम्मेलनों की नहीं, ठोस नतीजों की जरूरत है। उसे ऐसी संस्था चाहिए, जो जंग के बाद सिर्फ मातम न मनाए, बल्कि जंग रोकने की ताकत भी रखे। वरना 81 वीं वर्षगांठ महज एक औपचारिक उत्सव बनकर रह जाएगी। इतिहास यही कहेगा: इरादे नेक थे, वादे बड़े थे, मगर व्यवस्था नाकाम रही।

मैन्या

है। इसे श्रद्धा, उत्सव और पारिवारिक सहभागिता के साथ मानाया जाता है। खीर को चंद्रप्रकाश में रखने से वह वैज्ञानिक रूप से अमृत बन जाती है, आँखों की ज्योति बढ़ाती है अथवा पूरे वर्ष पित शान्त रखती है—ऐसे दावों के लिए पर्याप्त विरवसनीय वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। खीर एक पौष्टिक खाद्य पदार्थ हो सकती है, लेकिन उसकी पौष्टिकता सामग्री, मात्रा और व्यक्ति की स्वास्थ्य-स्थिति पर निर्भर करती है।

यदि खीर चंद्रप्रकाश में रखी जाए, तो उसे धूल, कीटों और अन्य दूषित पदार्थों से सुरक्षित रखना चाहिए तथा लंबे समय तक सामान्य तापमान पर छोड़ने से बचना चाहिए। परंपरा का आनंद लेते हुए विवेक बनाए रखना ही श्रद्धा और ज्ञान का असर बनाइए।

इस शरद पूर्णिमा अपने भीतर का चंद्रमा जगाइए

मित्र, शरद पूर्णिमा को केवल चंद्रमा के दर्शन करने, खीर खाने या किसी उत्सव में सम्मिलित होने तक सीमित मत रखिए। इसे अपने मन को समझने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का अवसर बनाइए। कुछ समय शांत बैठिए। अपने विचारों को देखिए। पढ़चालिए कि कौन—सी इच्छाएँ आपके अनावश्यक तनाव देती हैं, कौन—सी आदतें आपके संबंधों को कमजोर करती हैं और कौन—से व्यवहार आपके भीतर शांति पैदा करते हैं। कृष्ण की वंशी को भक्ति की पुकार मानते हैं, तो उस पुकार का उत्तर अपने आचरण से दीजिए। सत्य बोलिए, संबंधों में विश्वास रखिए, प्रकृति का सम्मान कीजिए और जरूरतमंद की सहायता कीजिए। इंद्रियों को शत्रु समझने के बजाय उन्हें विवेकपूर्ण जीवन का सहयोगी बनाइए। जब आँखों में करुणा, कानों में सद्‌विरा, वाणी में मधुरता, बुद्धि में विवेक और हृदय में प्रेम बसने लगे, तब जीवन का प्रत्येक क्षण आध्यात्मिक उत्सव बन सकता है। शरद पूर्णिमा का वास्तविक संदेश यही है—मन निर्मल हो, प्रेम निष्काम हो, बुद्धि विवेकशील हो और कर्म लोककल्याणकारी हो। बाहरी चंद्रमा हमें शीतलता का अनुभव कराता है, भीतर का विवेक जीवन को दिशा देता है। ब्रज की भूमि हमें प्रेम की परंपरा से जोड़ती है और महारास की लीला हमें समर्पण, विनम्रता तथा आत्मीयता का संदेश देती है। आइए, इस शरद पूर्णिमा अपने भीतर के अहंकार को कम करें, प्रेम का विस्तार करें और अपने परिवार तथा समाज में सद्भाव का प्रकाश फैलाएँ। क्योंकि ब्रज केवल देखने की भूमि नहीं, समझने और जीने की संस्कृति भी है। महारास केवल सुनने की कथा नहीं, प्रेम, मर्यादा और समर्पण के मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा भी है। मन का चंद्रमा निर्मल हो, इंद्रियों का व्यवहार संयमित हो और हृदय में प्रेम का महारास निरंतर चलता रहे—यही शरद पूर्णिमा की मंगलकामना है।

दिनांक 26 अक्टूबर 2026 सोमवार

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance)

राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात से बना सकें। सितारों की चाल

जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। गरीबों को दूध या चावल दान करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज आपकी राशि पर ग्रहों की शुभ स्थिति से समाज और कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। मंदिर में जाकर दर्शन

आशीर्वाद करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। शिवलिंग पर अक्षत चढ़ाएं जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी ही रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। जरूरतमंद विद्यार्थियों को पठन सामग्री दान करें जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हो।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। मंदिर में देसी घी का दीपक जलाएं जिससे आपके करियर

की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। शिव मंदिर में जल चढ़ाएं जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां गंगाजल स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान आशुतोष की कृपा से घर में अच्छड आरोग्य, शांति और धन-धान्य का वास होत है।

होटल जेपी पैलेस में देश के शीर्ष हृदय रोग विशेषज्ञों का महाकुंभ

कार्डियोलॉजी आगरा लाइव 6.0' में हार्ट केयर और आधुनिक तकनीकों पर हुआ मंथन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

आगरा इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी सोसाइटी के तत्वावधान में होटल जेपी पैलेस में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार ह्मकार्डियोलॉजी आगरा लाइव 6.0ह्म का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन के पहले दिन हार्ट फेलियर, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, एओर्टा, कार्डियक सर्जरी और स्ट्रुक्चरल हार्ट इंटरवेंशन (ऒअश्फ) जैसे गंभीर विषयों पर कुल 20 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें देश भर से आए 450 डेलीगेट्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

आयोजन सचिव डॉ. सुवीर गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए लाइफस्टाइल में सुधार बेहद जरूरी है। तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और शराब से तौबा करें तथा नियमित टहलना शुरू करें। उन्होंने विशेष तौर पर चेतावाा कि यदि किसी व्यक्ति को डायबिटीज है और वह स्मोकिंग भी करता है, तो उसमें हार्ट फेल्योर का खतरा सामान्य से 10 गुना तक बढ़ जाता है। वहीं, डॉ. हिमांशु यादव ने 'हार्ट फेलियर- किडनी इज इौ की' विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हृदय को स्वस्थ रखना है

आम आदमी पार्टी ने की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

- शिखर एमएलसी चुनाव के तीन बूथों पर पुनर्मतदान का आदेश
- लोकतंत्र में मताधिकार की रक्षा सर्वोपरि, प्रशासनिक व्यवस्था और व्यवस्थाओं पर खड़े किए गए तीखे सवाल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

आगरा खंड शिक्षक एमएलसी निर्वाचन के दौरान मतदान प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक सरगमीं तेज हो गई है। जनपद के तीन बूथों पर पुनर्मतदान के आदेश आने के बाद अब इस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के जिला आगरा के अध्यक्ष, एडवोकेट पंडित सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

मताधिकार की रक्षा है सर्वोपरि -

पं. सिद्धार्थ चतुर्वेदी:

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष पं. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि आगरा मंडल शिक्षक एमएलसी चुनाव में अचानक तीन बूथों पर पुनर्मतदान के आदेश आना यह साबित करता है कि कहीं न कहीं

प्रसूता की मौत पर अस्पताल में बवाल, लापरवाही के आरोप

हालत बिगड़ने पर आगरा किया रेफर, रास्ते में तोड़ा दम

- प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में मर्ती हुई थी महिला
- उपचार के दौरान अचानक बिगड़ी हालत
- मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा
- समझौते के बाद शांत हुआ मामला, बिना शिकायत गांव लौटे परिजन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फतेहाबाद।

कस्बे के बाह रोड बाईपास स्थित एक अस्पताल में शनिवार को प्रसूता की हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। इससे आक्रोशित परिजनों ने चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा किया। बाद में दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता होने पर मामला शांत हो गया। परिजन बिना कानूनी कार्रवाई के शव लेकर गांव लौटे गए।

थाना पिढौरा क्षेत्र के गांव कौंद निवासी रमेश ने बताया कि शनिवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर 35 वर्षीय पत्नी सुखदेवी को बाह रोड बाईपास स्थित अस्पताल में भर्ती कराया था।



चुनाव संचालन और व्यवस्थाओं में गंभीर चूक हुई है। उन्होंने दो टुक कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक और शिक्षक का मताधिकार सर्वोपरि है, और इसके साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग:

अअद जिलाध्यक्ष ने मांग की है कि इस पूरे मामले की गहराई से और पूरी तरह निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जो भी जिम्मेदार अधिकारी या दोषी व्यक्ति इस गड़बड़ी के पीछे हैं, उनकी जवाबदेही तय की जाए और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न हो और जनता का चुनावी व्यवस्थाओं पर विश्वास बना रहे।



डुअल एंटीप्लेटलेट थरेपी (ऒअप्लड्ड) में इस्केमिक सुरक्षा और ब्लीडिंग के जोखिम के बीच संतुलन साधना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कोरोनरी इंटरवेंशन के बाद क्लोपिडोग्रेल की तुलना में प्रासुग्रेल और टिकाग्रेलर अधिक प्रभावी होते हैं, लेकिन जिन मरीजों को पहले स्ट्रोक या ऒअध की समस्या रही हो, उन्हें प्रासुग्रेल नहीं दिया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में ब्लीडिंग के अधिक जोखिम वाले मरीजों के लिए क्लोपिडोग्रेल आज भी एक सुरक्षित विकल्प है।

मिनिमली इनवेसिव तकनीक से बदल रहा इलाज का तरीका: डॉ. सुब्रत अखौरी

फरीदाबाद के डॉ. सुब्रत अखौरी ने कहा कि आज के दौर में मरीज ओपन सर्जरी से बचकर मिनिमली इनवेसिव उपचार चाहते हैं, जिसके लिए ऐसी तकनीकें आ चुकी हैं

जिनकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उन्होंने रेखांकित किया कि मरीज की सुरक्षा के लिए दो बातें सबसे अहम हैं—पहला, कम से कम जटिलता और दूसरा, एक व्यवस्थित कार्य प्रणाली। सही केस का चयन, सटीक काउंसलिंग और योजनाबद्ध इलाज से जटिलताओं को पूरी तरह रोका जा सकता है।

हृदय-किडनी रोगियों में पोर्टेशियम नियंत्रण जरूरी: डॉ. जितेंद्र कुमार

फरीदाबाद के डॉ. जितेंद्र कुमार ने अपने शोध पत्र में बताया कि क्रॉनिक किडनी डिजीज (ऒडऊ) और हार्ट फेलियर के मरीजों की जीवनरक्षक दवाओं (फ्थअर और टफ्थ) के इस्तेमाल से लगभग 40 से 50 प्रतिशत मरीजों में पोर्टेशियम की मात्रा बढ़ जाती है (हाइपरकलीमिया)। उन्होंने बताया



अक्टूबर से 15 जून तक पैटून पुल का संचालन कराया जाता है। बरसात के चार महीनों में पुल हटाकर स्टीमर के माध्यम से यात्रियों को चंबल नदी पार कराई जाती है। पुल के संचालन से दोनों राज्यों के ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिलती है। साथ ही पिनाहट कस्बे के व्यापार, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी बढ़ावा मिलता है। बताया गया कि 16 अगस्त को कैंजरा घाट पर यात्रियों से भरा स्टीमर चंबल नदी में बह जाने के बाद मध्य प्रदेश प्रशासन ने ठेकेदार और स्टीमर संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद पिनाहट और कैंजरा घाट पर स्टीमर का संचालन बंद कर दिया गया। करीब तीन माह से स्टीमर सेवा बंद रहने के बाद 15 अक्टूबर को पैटून पुल शुरू होने की उम्मीद थी,

जिसे श्रोम्बोसिस, एंडोकार्डाइटिस और पैरावाल्कुलर लीक से अलग पहचाना आवश्यक है। इसके लिए इको और सीटी स्कैन का एकीकृत मूल्यांकन जरूरी है, तथा इलाज के रूप में नियमित निगरानी, एंटीकोआगुलेशन, वाल्व-इन-वाल्व और चुनिंदा मामलों में सर्जिकल एक्सप्लांटेशन के विकल्प अपनाए जाते हैं।

नई हार्ट फेलियर गाइडलाइस में शीघ्र पहचान पर जोर: डॉ. गजिन्द्र गोयल

फरीदाबाद के डॉ. गजिन्द्र

गोयल ने साझा किया कि एर2 2026 हार्ट फेलियर गाइडलाइस में बीमारी की रोकथाम, उसकी शीघ्र पहचान और तुरंत इलाज पर विशेष फोकस किया गया है। इसमें

वर्गीकरण को काफी सरल बनाया

गया है, जोखिम वाले लोगों के

शुरूआती उपचार, सिद्ध औषधियों

के बेहतर इस्तेमाल और मोटापे से

ग्रसित हार्ट फेलियर मरीजों के लिए

नई वेट-लॉस थरेपी को

आधिकारिक मान्यता दी गई है।

हार्ट अटैक के बाद घातक

जटिलता का बिना सर्जरी इलाज:

डॉ. राजगोपाल जे

मैसूर के डॉ. राजगोपाल जे. ने

सामने आ सकती है, जिसे श्रोम्बोसिस, एंडोकार्डाइटिस और पैरावाल्कुलर लीक से अलग पहचाना आवश्यक है। इसके लिए इको और सीटी स्कैन का एकीकृत मूल्यांकन जरूरी है, तथा इलाज के रूप में नियमित निगरानी, एंटीकोआगुलेशन, वाल्व-इन-वाल्व और चुनिंदा मामलों में सर्जिकल एक्सप्लांटेशन के विकल्प अपनाए जाते हैं।

नई हार्ट फेलियर गाइडलाइस में शीघ्र पहचान पर जोर: डॉ. गजिन्द्र गोयल

फरीदाबाद के डॉ. गजिन्द्र

गोयल ने साझा किया कि एर2 2026 हार्ट फेलियर गाइडलाइस में बीमारी की रोकथाम, उसकी शीघ्र पहचान और तुरंत इलाज पर विशेष फोकस किया गया है। इसमें

वर्गीकरण को काफी सरल बनाया

गया है, जोखिम वाले लोगों के

शुरूआती उपचार, सिद्ध औषधियों

के बेहतर इस्तेमाल और मोटापे से

ग्रसित हार्ट फेलियर मरीजों के लिए

नई वेट-लॉस थरेपी को

आधिकारिक मान्यता दी गई है।

हार्ट अटैक के बाद घातक

जटिलता का बिना सर्जरी इलाज:

डॉ. राजगोपाल जे

मैसूर के डॉ. राजगोपाल जे. ने

बताया कि प्राइमरी एंजियोप्लास्टी अब एक स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट बन चुकी है, लेकिन हार्ट अटैक के बाद 'एक्यूट सीवियर माइट्रल रिगर्जिटेशन' जैसी स्ट्रुक्चरल जटिलताएं डॉक्टरों के लिए बड़ी चुनौती होती हैं। पहले इसके लिए हाई-रिस्क इमरजेंसी ओपन सर्जरी ही इकलौता विकल्प हुआ करती थी, लेकिन अब हृमित्रा क्लिपह्व जैसी अत्याधुनिक मिनिमली इनवेसिव तकनीक की मदद से बिना चीरा-टॉके के वाल्व की मरम्मत करके मरीजों को तेजी से स्वस्थ किया जा रहा है।

लक्ष्मणएन्र में सामान्य पम्पिंग क्षमता के बावजूद खतरे की पहचान जरूरी: डॉ. वरुण शर्मा

आगरा के डॉ. वरुण शर्मा ने बताया कि हार्ट फेलियर के लगभग आधे मामलों में दिल की पंपिंग क्षमता (इंजेक्शन फ्रैक्शन) सामान्य बनी रहती है, जिसे लक्ष्मणएन्रकहा जाता है। अत्यधिक थकान, सांस फूलने और शरीर पर सूजन जैसी समस्याएं होने के बावजूद इको रिपोर्ट सामान्य आने के कारण यह बीमारी अक्सर शुरूआती दौर में

नजरअंदाज हो जाती है। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और एट्रियल फाइब्रिलेशन इसके प्रमुख

रिस्क फैक्टर हैं, इसलिए समय पर क्लीनिकल स्कोर और बायोमार्कर के जरिए इसका निदान बेहद जरूरी है।

हार्ट फेलियर में 'फोर पिलर्स' और नई 'वेरीसिगुएट' थरेपी कारणर: डॉ. सौरभ नागर

प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ नागर ने अपने व्याख्यान में हार्ट फेलियर के चार मुख्य स्तंभों (फोर पिलर्स थरेपी) और आधुनिक चिकित्सा पद्धति 'वेरीसिगुएट' के चमत्कारी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही उपचार और फोर पिलर्स थरेपी मरीजों की जीवनशैली को बेहतर बनाने के साथ जोखिम को कम करने में निर्णायक भूमिका निभाती है। वहीं, नई दवा वेरीसिगुएट हृदय की कार्यप्रणाली को मजबूत करती है और मरीजों को बार-बार अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत को काफी हद तक कम करती है।

पद्मश्री डॉ. दलजीत सिंह गंभीर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

समारोह के दौरान चिकित्सा जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ. दलजीत सिंह गंभीर को

पैटून पुल पर ब्रेक, व्यापारियों में उबाल!

तीन महीने से ठप आवागमन, 250 गांव बेहाल

कि निर्धारित समय बीतने के बाद भी पुल पर मरम्मत और डेंटिंग-पेंटिंग का कार्य धीमी गति से चल रहा है। इससे उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। पिनाहट घाट पर पैटून पुल का संचालन बंद होने से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के चंबल नदी किनारे बसे करीब 250 गांवों के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नदी पार कर दैनिक कामकाज, खेती, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जाने वाले लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। पुल और स्टीमर दोनों का संचालन बंद होने से दोनों राज्यों के यात्रियों को एक-दूसरे के क्षेत्र में पहुंचने के लिए करीब 150 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों का समय और पैसा खर्च हो रहा है। व्यापारियों का कहना है कि पुल चालू होने से दोनों राज्यों के लोगों को राहत मिलेगी और पिनाहट के बाजार में भी व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

व्यापारी विजय कोठारी, विष्णु चक, प्रमोद सोनी, रामसेवक सविता, केशव गुप्ता, रघुवर दयाल वर्मा, मोहन सिंह, अजीज खान्, डब्बी खान्

और चंद्रप्रकाशका कहना है कि पुल संचालन में लगातार हो रही देरी के विरोध में जल्द बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जिला मुख्यालय पर घेराव और प्रदर्शन की रणनीति



...ताकि रुक जाए साइबर क्राइम साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए अपर पुलिस आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

आगरा। ताजनगरी में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और पीड़ितों को त्वरित राहत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट आगरा में एक उच्चस्तरीय समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने की

गोष्ठी के दौरान साइबर अपराधों की रोकथाम, दर्ज प्रकरणों की प्रगति, लॉबित शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण, साइबर टगी से संबंधित धनराशि की बरामदगी तथा पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही, साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने, तकनीकी संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा विभिन्न स्तरों पर आपसी समन्वय स्थापित कर साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु बीट स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

तीन अवैध पिस्टल संग युवक गिरफ्तार, छह मैगजीन बरामद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फतेहपुर सीकरी

थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को तीन पिस्टल और छह मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से बरामद तीनों पिस्टल 32 बोर की हैं। मामले में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस के मुताबिक, 23 अक्टूबर की शाम पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान फतेहपुर सीकरी मोड़ बाईपास के पास मुखबिर से सूचना मिली कि



दूरा रोड पर मजार से आगे इस्लामगंज की ओर जाने वाले रास्ते पर एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर खड़ा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर पुलिस

पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसकी पीठ पर टंगे काले रंग के बैग से कपड़ों के नीचे रखी तीन पिस्टल और एक अन्य पॉलीथिन से तीन खाली मैगजीन बरामद हुईं। पुलिस ने बरामद पिस्टलों को चेक किया तो उनमें मैगजीन और चैंबर खाली

नींद की झपकी ने ली जान, डिवाइडर तोड़ दूसरी लेन में पलटी कार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार तड़के चालक को नींद की झपकी आने से तेज? रफ्तार कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में पहुंचकर पलट गई। हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडी की टीम ने घायल को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद भेजा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।



पर पहुंचकर पलट गई। हादसे में कार बुरी तरह

क्षतिग्रस्त हो गई और आगे की सीट पर बैठे शैलेश की मौत हो गई, जबकि चालक भास्कर घायल हो गया। हादसे की सूचना पर पुलिस और यूपीडी की टीम मौके पर पहुंची। घायल चालक को अस्पताल भेजा गया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की सहायता से थाना फतेहाबाद पहुंचाया गया। वहीं चालक भास्कर ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान वह अपने दोस्त शैलेश के परिवार को बिहार छोड़कर आया था। अब दोनों दोस्त उसके परिवार को

लेने के लिए बिहार जा रहे थे, लेकिन रास्ते में हादसा हो गया। भास्कर ने बताया कि वह प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़ा है, जबकि उसका दोस्त शैलेश कंस्ट्रक्शन ठेकेदारी का काम करता था। यूपीडी के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि चालक को नींद की झपकी आने और कार की गति अधिक होने के कारण हादसा हुआ। कार मध्य डिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में पलट गई थी। हादसे में एक युवक की मौत हुई है, जबकि घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

दीपावली से पहले खाद्य विभाग का छापा, खोया और बर्फी के नमूने सील

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

दीपावली के पावन पर्व पर शहरवासियों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी प्रणय सिंह के सख्त निर्देशों और सहायक आयुक्त (खाद्य)-क्कर कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने तहसील पटियाली के दरियावगंज क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया है।

इन प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूने छापेमारी के दौरान टीम ने क्षेत्र की प्रमुख दुकानों से सदिग्ध खाद्य पदार्थों की जांच के लिए नमूने (सैपल) संग्रहित किए: सुनील स्वीट्स: यहां से खोया का नमूना लिया गया। बकि बिहारी स्वीट्स: प्रतिष्ठान से लौज का नमूना भरा गया।

डीएम ने परखी बूथों की व्यवस्था, बोले- मतदाता सूची कार्य में ढिलाई बर्दाश्त नहीं

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने और मतदाता सूची के पुनरीक्षण/अपडेशन कार्य को गति देने के लिए जिलाधिकारी प्रणय सिंह शनिवार को खुद सड़कों पर उतरे। डीएम ने सदिग्ध खाद्य परिसर स्थित बूथ संख्या 365, 366, 367 व 368 तथा नवाब तौरा स्थित बूथ संख्या 328, 329, 330 और 331 का बारीकी से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की नब्ज टटोली।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बूथों पर मुस्तैद बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से निर्वाचन संबंधी अभिलेखों एवं मतदाता सूची संशोधन/अद्यतन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट लहजे में ताकीद की कि निर्वाचन से जुड़ा हर कार्य बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी तरह की हीलाहवाली या लापरवाही कदाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रजिस्टर संधान न रखने वाले बीएलओ पर गिरेगी गाज

छात्रवृत्ति आवेदन सत्यापन की अंतिम तिथि आज लापरवाही बरतने वाले संस्थानों पर गिरेगी गाज

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शैक्षिक सत्र 2026-27 के तहत छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ पाने वाले विद्यार्थियों के लिए अहम खबर है। आवेदन पत्रों के ऑनलाइन सत्यापन और अग्रसारण (फॉरवर्डिंग) की अंतिम तिथि आज यानी 25 अक्टूबर है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अमृता सिंह ने जनपद के सभी शिक्षण संस्थानों के प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देश दिए हैं कि हर हाल में समयासीमा के भीतर सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर ली जाए।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि



राकेश कुमार एवं मम्मी-पापा स्वीट्स: दुकान से बर्फी का नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य विभाग की टीम ने कुल तीन सदिग्ध नमूने सील कर राज्य की खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिए हैं। विभाग का कहना है कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट आते ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत आगे की विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। करोबारियों के लिए सख्त निर्देश और चेतावनी खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनपद के

सभी मिष्ठान विक्रेताओं और खाद्य कारोबारकताओं को कड़ी हिदायत दी है कि:

खाद्य पदार्थों में केवल निर्धारित मानकों के अनुरूप ही रंगों (कलर) का प्रयोग किया जाए।

मिठाइयों पर सेहत के लिए हानिकारक एल्यूमीनियम वर्क के स्थान पर केवल चांदी के वर्क का ही इस्तेमाल हो।

निर्माण स्थलों, भंडारण और बिक्री के दौरान साफ-सफाई व उच्च गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी भी प्रतिष्ठान पर पुराना, बासी या मिलावटी खाद्य पदार्थ बिकता पाया गया, तो जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले ऐसे कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। त्योहारी सीजन में इस प्रकार के छापों से मिलावटखोरों में खलबली मची हुई है।

जब तड़पती गर्भवती के लिए 'खाकी' बनी देवदूत जीआरपी की तत्परता से बची जच्चा-बच्चा की जान

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

सफर की खामोशी और रात का सनाटा... तभी चलती ट्रेन के एक डिब्बे में अचानक एक चीख गुंज उठती है। दर्द से तड़पती एक भावी माँ और बदहवास सा उसका पति। लेकिन ऐसे मुश्किल वक्त में जब उम्मीदें छूटने लगी थीं, तब उत्तर प्रदेश पुलिस की 'खाकी' मसीहा बनकर सामने आई और एक नई जिंदगी की नई थोर लेकर आई।

क्या है पूरा वाक्या?

पोलीभीत निवासी हरीश अपनी पत्नी अदिति के साथ 'रामनगर-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस' से यात्रा कर रहे थे। शनिवार तड़के करीब एक

खेलते समय 11 वर्षीय मासूम को सांप ने डसा, जिला अस्पताल में इलाज जारी पटियाली।

क्षेत्र के ग्राम कुतुबपुर सराय में शनिवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहाँ घर के पास खेल रहे 11 वर्षीय बच्चे को एक जहरीले सांप ने पैर में डस लिया। समय रहते परिजनों की सूझबूझ से बच्चे को अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल, बच्चे का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है और उसकी स्थिति पर डॉक्टरों की पैनी नजर बनी हुई है।

बड़ी बहन शिवानी ने बताया ग्राम कुतुबपुर सराय निवासी हरिदास का 11 वर्षीय पुत्र शिवा शनिवार दोपहर करीब 2 बजे अपने घर के पास मौजूद था। इसी दौरान अचानक वहाँ एक जहरीला सांप आ गया और उसने शिवा के पैर में डस लिया। सांप के काटते ही बच्चे की चीख निकल पड़ी, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। घटना के वक्त शिवा की बड़ी बहन शिवानी ने घबराने के बजाय अदम्य साहस का परिचय दिया। वह तुरंत अपने भाई को लेकर पटियाली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँची।

सीएचसी में इयूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने शिवा की गंभीर हालत को देखते हुए और विषैले प्रभाव के खतरे को भांपते हुए तुरंत प्राथमिक उपचार दिया।

शरद पूर्णिमा गंगा स्नान पर 24 घंटे रहेगा रूट डायवर्जन

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शरद पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व को देखते हुए जिले में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। 25 अक्टूबर को कछला गंगा घाट, लहरा गंगा घाट और हरि की पेंड़ी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस ने जाम से बचाव के लिए रूट डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था 24 अक्टूबर की रात आठ बजे से 25 अक्टूबर की रात आठ बजे तक लागू रहेगी। इस दौरान एटा, हाथरस और अलीगढ़ की ओर से बदायूं-बरेली जाने वाले वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा।

यातायात प्लान के अनुसार, एटा से बदायूं-बरेली जाने वाले वाहन सौरभ ढाबा, एटा रोड से अमरपुर घाट बाईपास होते हुए मंडी तिराहा कासगंज पहुंचेंगे। यहां से सहावर और गंजडुंडवारा होते हुए कादरगंज

- कछला और लहरा गंगा घाट पर उमड़ेगी श्रद्धालुओं की गीड़
- सोरों में चार स्थानों पर बनाई गई पार्किंग
- 24 अक्टूबर रात आठ बजे से 25 अक्टूबर रात आठ बजे तक लागू रहेगी व्यवस्था

गंगा पुल के रास्ते बदायूं की सीमा में प्रवेश करेंगे। हाथरस से आने वाले वाहनों को नदरई तिराहा से सौरभ ढाबा की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसके बाद वाहन इसी निर्धारित मार्ग से गुजरेंगे।

अलीगढ़ से बदायूं-बरेली जाने वाले वाहनों को हजारा नहर पुल से मामों बाईपास और गोरहा नहर पुल के रास्ते सहावर की ओर भेजा जाएगा। यहां से गंजडुंडवारा होते हुए कादरगंज गंगा पुल से बदायूं की सीमा में प्रवेश करेंगे।

कछला गंगा घाट से कासगंज आने वाले वाहनों को सोरों थाना क्षेत्र में दुपहिया मोड़ नगरिया से डायवर्ट कर यातगंज, सहावर,

अमांपुर और सिनपुरा के रास्ते गंतव्य तक भेजा जाएगा। वहीं, सोरों से बदायूं-बरेली जाने वाले वाहनों को नगरिया तिराहा से शाहबाजपुर होते हुए कादरगंज गंगा पुल की ओर निकाला जाएगा।

बदायूं की ओर से कादरगंज गंगा पुल के रास्ते आने वाले भारी वाहनों को तरसी तिराहा से पटियाली और सिहपुरा होते हुए गंतव्य तक जाना होगा।

सोरों में चार स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था

गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग के लिए चार स्थान निर्धारित किए गए हैं। इनमें गोला कुआं के पास निमाणांधीन सड़क, घोड़ा मेला ग्राउंड सोरों, मेला ग्राउंड सोरों और पुरानी पुलिस लाइन शामिल हैं। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का ही इस्तेमाल करें, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

आज मां और नवजात बेटी दोनों पूरी तरह से सुरक्षित और स्वस्थ हैं।

परिजनों ने कहा- 'पुलिस नहीं, हमारे लिए भगवान का रूप है'
खाकी के इस मानवीय और संवेदनशील चेहरे को देखकर प्रसूता के पति और परिजनों की आंखें छलक आईं। उन्होंने रोते हुए जीआरपी कासगंज पुलिस की तत्परता का सहृदय धन्यवाद किया और कहा कि आज अगर उनकी बेटी और पूरी सुरक्षित हैं, तो केवल पुलिस की मुस्तेदी की वजह से।

जीआरपी टीम का यह कार्य न केवल खाकी का मान बढ़ाता है, बल्कि समाज में इंसानियत और फर्ज की एक अनूठी मिसाल भी कायम करता है।

नवनिर्मित मकान की शटरिंग में लगाई आग, लाखों का नुकसान! आधी रात की घटना, गांव के युवक पर आग लगाने का आरोप

आधी रात की घटना, गांव के युवक पर आग लगाने का आरोप
○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव मड़ायना में शुक्रवार देर रात नवनिर्मित मकान में लेंटर डालने के लिए लगी शटरिंग में आग लग गई। पीड़ित पक्ष ने गांव के ही एक युवक पर आग लगाने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। पीड़ित ने घटना की तहरीर थाना फतेहाबाद में दी है।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव मड़ायना निवासी लक्ष्मण शर्मा पुत्र शिवराम शर्मा ने बताया कि भाई राजकुमार का खेत पर मकान बन रहा है। मकान में लेंटर डालने के लिए शटरिंग लगाई गई थी। शुक्रवार रात राजकुमार वहाँ सो रहे थे। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब 12:30 बजे एक युवक ने शटरिंग में आग लगा दी। आग की जानकारी होते ही राजकुमार बाहर निकले और शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की



टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आग से शटरिंग सहित अन्य सामान जलने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।



विशेष पुनरीक्षण अभियान में बूथों का निरीक्षण

फतेहाबाद। शनिवार को उपजिलाधिकारी ने विशेष पुनरीक्षण अभियान में बूथों पर जाकर निरीक्षण किया।बीएलओ को निर्देश दिए गए। चुनाव आयोग के द्वारा विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नए मतदाता बनने पर विशेष जोर दिया जा रहा है तथा जिनके नाम डबल हैं या किसी कारण से कट गए हैं उनके लिए यह अभियान विशेष रूप से है जिसको लेकर शनिवार को उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा के द्वारा विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया गया जिसमें बीएलओ को निर्देश दिए गए कि वह अपने रजिस्टर पुरे करें तथा फार्म 6 भरें तथा जिनके नाम डबल हैं उन पर विशेष रूप से फोकस किया जाए।

किसानों के दयूबवेलों पर चोरों का धावा, तीन जगह से केबल चोरी

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र में चोरों ने शुक्रवार रात चोरों ने तीन अलग-अलग दयूबवेलों को निशाना बनाया। चोर खेतों में बनी दयूबवेल की कोठरियों से हजारों रुपये की कई मीटर केबल चोरी कर फरार हो गए। एक ही रात में हुई केबिल चोरी की तीन घटनाओं से किसानों में आक्रोश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात्रि को थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव सलेमपुर मुड़िया निवासी रामनिवास तिवारी पुत्र मेवाराम के खेत पर बने दयूबवेल की खिड़की तोड़कर चोर उसमें लगी कई मीटर लंबी केबल काटकर ले गए। वहीं चोरों ने नीरज तिवारी पुत्र होतीलाल के दयूबवेल की कोठरी की छत काटकर तथा अवधेश पुत्र अमप्रकाश के दयूबवेल से भी चोरों ने कई मीटर केबल चोरी कर ले गए। शनिवार सुबह जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे तो उन्हें चोरी की घटना की जानकारी हुई। पीड़ित किसानों ने डायल 112 नंबर पर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि निबोहरा क्षेत्र के अलग-अलग गावों में पिछले कुछ दिनों से दयूबवेलों से केबल और सामान चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आए दिन हो रही घटनाओं से किसान परेशान हैं। किसानों ने घटना को लेकर कार्रवाई करने की मांग की है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं के लिए सम्मान का अवसर, 31 अक्टूबर तक करें आवेदन कासगंज।

कासगंज। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं समाजोपयोगी कार्य कर समाज को नई दिशा देने वाले जनपद के होनहार युवाओं को सरकार सम्मानित करने जा रही है। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत 'विवेकानंद युश अवॉर्ड' प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योग्य और इच्छुक युवा आगामी 31 अक्टूबर तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया कि युवाओं के रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने और उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाने के उद्देश्य से यह पुरस्कार दिया जाता है। इसके लिए 15 से 35 वर्ष की आयु वर्ग के युवा आवेदन करने के पात्र होंगे। इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को मिलेगा मौका: पुरस्कार के लिए विविध क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले युवाओं का चयन किया जाएगा, जिनमें प्रमुख हैं: खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान व नशा मुक्ति जल संरक्षण, पुस्तकालय/वाचनालय स्थापना, जैविक खेती व सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति, साहित्य, पर्यटन, पारंपरिक चिकित्सा व स्मार्ट लॉगिंग विकास भवन से प्राप्त करें आवेदन फॉर्म: इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय (विकास भवन, कासगंज) से आवेदन पत्र का प्रारूप नि:शुल्क प्राप्त कर सकते हैं। आवेदकों को अपने उत्कृष्ट कार्यों का विवरण व प्रस्ताव 31 अक्टूबर 2026 तक तीन प्रतियों में कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य होगा। योजना व आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी अन्य जानकारी के लिए विभागीय प्रतिनिधि श्री प्रेमप्रताप सिंह से मोबाइल नंबर 9012252225 पर संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने जनपद के प्रतिभाशाली युवाओं से समय रहते इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

सहकारी समितियों पर कसा शिकंजा,फर्जी नियुक्तियों की जांच शुरु

कासगंज। सहकारी समितियों में पारदर्शिता लाने और फजीवाड़े पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए शासन ने एक बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। जनपद की समस्त बी-पैक्स (इ-ढअउर) समितियों में कार्यरत कैडर सचिव, नॉन कैडर सचिव, प्रभारी सचिव, आंकिक, लिपिक, विक्रेता, सहयोगी और चौकीदारों तक की नियुक्ति व अभिलेखों की जांच के लिए विशेष सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। शासन को मिली गंभीर शिकायतों के बाद अब इन सभी नियुक्तियों की वैधता की गहनता से पड़ताल होगी। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता) अशोक कुमार चौधरी ने बताया कि आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार और शासन के 12 अक्टूबर 2026 के पत्र के क्रम में यह कार्रवाई शुरू की जा रही है। तय समय-सीमा के भीतर सभी बी-पैक्स कर्मचारियों की नियुक्ति से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। सहकारिता विभाग ने बी-पैक्स समितियों के समस्त कार्यरत कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपनी नियुक्ति और सेवा से जुड़े सभी आवश्यक अभिलेख निर्धारित समय के भीतर संबंधित अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं, इसमें किसी भी तरह की टालमटोल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अशोक कुमार चौधरी ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश शासन के सहकारिता अनुभाग-1 द्वारा जारी गजट के तहत 'उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम, 1966' (एरएअ) की धारा-3 की उपधारा (1) के तहत सहकारी संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा हड़ताल या कार्य बहिष्कार को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। यदि कोई कर्मचारी हड़ताल करता है या विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

किसानों के लिए खुशखबरी: अनुदान पर मिलेगा उन्नत किस्म का आलू बीज स्कूल पर ताला, बच्चों की पढ़ाई ठप!

उद्यान विभाग के potato.uphorticulture.in पोर्टल पर करें आवेदन

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

रबी सीजन की मुख्य फसल आलू की बुआई की तैयारियों में जुटे जनपद के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। उद्यान विभाग, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में कासगंज जिले के किसानों को नकद मूल्य एवं अनुदान पर उन्नत किस्मों काएं आलू बीज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरु हो गई है। इच्छुक किसान उद्यान विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी रवि-

- 'पहले आओ, पहले पाओ' के आार एट मिलेगा बीज
- कुफरी बहार, सूर्या, संगम, ख्याति, मोहन और चिखोना-1 की किस्में उपलब्ध, न्यूनतम 2 प्रजातियों का वयन अनिवार्य

किसी एक प्रजाति (आधारित-1, आधारित-2, सौड साइज एवं ओवर साइज) का अधिकतम 0.5 हेक्टेयर तथा सभी प्रजातियों को मिलाकर प्रति कृषक अधिकतम 2 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए ही बीज देय होगा। ऑनलाइन आवेदन करते समय

किसान को पोर्टल पर कम से कम 2 प्रजातियों का चयन करना अनिवार्य रहेगा। आवश्यक दस्तावेज और आवेदन प्रक्रिया योजना का लाभ उठाने के लिए किसानों को potato.uphorticulture.in पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। आवेदन के लिए निम्नलिखित दस्तावेज/विवरण आवश्यक होंगे: फोटोयुक्त वैध पहचान पत्र एवं पहचान/अधिकार दस्तावेज (जैसे बैंक डिटेल, खसरा-खतौनी) कुल देय धनराशि की 5 से 25

प्रतिशत तक की अग्रिम जमा धनराशि की रसीद

विकास भवन में कर सकते हैं संपर्क

जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि बीज का वितरण 'प्रथम आवक, प्रथम पावक' (पहले आओ, पहले पाओ) के आधार पर किया जाएगा, इसलिए किसान जल्द से जल्द अपना पंजीकरण कराएं। किसी भी समस्या या जानकारी के लिए किसान किसी भी कार्यदिवस में विकास भवन, कासगंज के कमरा नंबर 59 में संपर्क कर सकते हैं।

प्रतिशत तक की अग्रिम जमा धनराशि की रसीद
विकास भवन में कर सकते हैं संपर्क
जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि बीज का वितरण 'प्रथम आवक, प्रथम पावक' (पहले आओ, पहले पाओ) के आधार पर किया जाएगा, इसलिए किसान जल्द से जल्द अपना पंजीकरण कराएं। किसी भी समस्या या जानकारी के लिए किसान किसी भी कार्यदिवस में विकास भवन, कासगंज के कमरा नंबर 59 में संपर्क कर सकते हैं।

पिनाहट। विकासखंड पिनाहट के प्राथमिक विद्यालय ईश्वरी गढ़ी के आए दिन बंद रहने की शिकायत सामने आई है। विद्यालय के नियमित रूप से संचालित नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होने का आरोप लगाया गया है। मामले में निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता के अनुसार प्राथमिक विद्यालय ईश्वरी गढ़ी निर्धारित समय पर नियमित रूप से नहीं खुल रहा है। विद्यालय बंद रहने से क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है और उनके



भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।इस संबंध में 24 अक्टूबर 2026 को शिकायत-पत्र देकर बीएसए आगरा व एबीएसए पिनाहट से विद्यालय का औचक निरीक्षण कराने और मामले की निष्पक्ष जाँच

कराने की मांग की गई है।और जिम्मेदार प्रधानाध्यापक एवं संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाए। साथ ही विद्यालय का नियमित संचालन सुनिश्चित कराया जाए।अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग शिकायत को कितनी गंभीरता से लेते हुए विद्यालय की जाँच कराता है और बच्चों की पढ़ाई सुचारु कराने के लिए क्या कदम उठाता है। एबीएसए अनिल पटेल ने बताया उस विद्यालय में पाँच शिक्षक ही नहीं है। दो टीचरों में आपसी खींचतान चल रही है। एक दूसरे के खिलाफ शिकायत करवाते रहते हैं।

